दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 299

महत्वपूर्ण एवं खास

पटियाला में सिगरेट के धुएं का विरोध करने पर 17 साल के युवक का चाकू मारकर कत्ल

पटियाला (आरएनएस)। पंजाब के पटियाला से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां के गांव ऊंटसर में सिगरेट का धुआं मुंह पर मारने का विरोध करने पर 17 साल के एक किशोर का कत्ल कर दिया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान गांव ऊंटसर के रहने वाले गुरध्यान सिंह के तौर पर हुई है। डीएसपी बूटा सिंह ने बताया कि आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में टीमें बनाकर छापामारी की जा रही है। जल्द ही आरोपी को काबू कर लिया जाएगा। मृतक नौजवान की पहचान साहिल निवासी गांव कामी खुर्द के रूप में हुई है। आरोपी ने चाकू से किशोरी की बाईं जांघ और छाती में दाईं तरफ वार किया। मृतक के भाई हर्ष कुमार की ओर से पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक वह व उसका छोटा भाई साहिल अपने पड़ोसी सुखविंदर सिंह के साथ उनके दोस्त हर्ष निवासी गांव ऊंटसर के घर देर रात माता की चौकी पर गए थे। देर रात दो बजे वह, साहिल व सुखविंदर सिंह तीनों पेशाब करने के लिए हर्ष के घर के बाहर गए। वहां आरोपी गुरध्यान सिंह सिगरेट पी रहा था। आरोपी ने सिगरेट का धुआं साहिल के मुंह पर छोड़ा। इस पर साहिल ने एतराज किया, तो आरोपी गाली-गलौच पर उतर आया और हाथापाई करने लगा। दोनों को उलझता देख हर्ष व सुखविंदर सिंह इनको छुड़ाने लगे। लेकिन इसी दौरान गुरध्यान ने अपनी जेब से चाकू निकाल कर साहिल की बाईं जांघ व छाती में दाईं तरफ वार कर दिए। खून से लथपथ साहिल जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। साहिल को उसके दोस्त मोटरसाइकिल पर पास के अस्पताल लेकर गए। जहां से उसे चंडीगढ़ के सेक्टर 32 अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान साहिल की मौत हो गई।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगे सीएम मान, इससे पहले चार मुख्यमंत्री पहले ही कर चुके हैं इंकार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में चार राज्यों के शामिल होने के इन्कार के बाद पंजाब ने भी फैसला किया है कि वह भी इस बैठक में शामिल नहीं होगा। कांग्रेस की सत्ता वाले तीन राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना व हिमाचल प्रदेश ने नीति आयोग की बैठक में शामिल होने से पहले ही मना कर दिया है। इसके अलावा डीएमके शासित तमिलनाडु भी इस बैठक में शामिल नहीं होगा। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी का कहना है कि पंजाब सरकार ने नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पार्टी आइएनडीआइए की सहयोगी है, इसलिए वह भी गठबंधन के घटक दलों के फैसले के साथ है। आप महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने कहा है कि नीति आयोग की बैठक का कोई लाभ नहीं होता। वहां बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं लेकिन होता कुछ नहीं है। नीति आयोग की बैठक में केवल किसी राज्य को पीछे धकेलने और किसी राज्य को आगे बढ़ाने के बारे में चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा कि आज केंद्र की मोदी सरकार छोटी मानसिकता से राजनीति कर रही है। हमें सरकार को जगाने की आवश्यकता है। उन्हें बताना पड़ेगा कि आप गलत कर रहे हो। पीएम मोदी एक विशाल और महान देश के प्रधानमंत्री हैं और आप ऐसी छोटी मानसिकता के साथ राजनीति करेंगे तो देश आगे कैसे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार को प्रस्तुत आम बजट में देश के अधिकांश राज्यों को नजरअंदाज किया गया है।

एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा

डबल डेकर बस और ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत, तीन लोगों की मौत; 87 घायल

फिरोजाबाद | आरएनएस

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बीती देर रात एक भीषण सडक़ हादसा हुआ। यहां एक टूरिस्ट बस बालू के ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 87 लोग घायल हो गए, जबकि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ये घटना थाना नगला खगर क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर-59 के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस बहराइच से दिल्ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को अचानक नींद लग गई और बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई।

हादसा इतना भीषण था कि बस चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस में सवार 87 लोग घायल हो गए। बता दें कि बस में 150 लोग यात्रा कर रहे थे। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने सभी घायलों को सैफई और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया।

फिरोजाबाद के एसपी ग्रामीण रामविजय सिंह ने घटना की जानकारी दी। बताया कि गुरुवार देर रात एक बजे के आसपास उन्हें हादसे की जानकारी मिली थी। पता चला था कि आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस बस में करीब 150 लोग सवार थे। बस चालक समेत तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सुरक्षित लोगों को उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया है। हादसे के कारण का पता लगाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में बीते 10 जुलाई को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस और टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत हो गई थी और 19 अन्य घायल हो गए थे। बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही यह तेज रफ्तार डबल डेकर बस ने दूध के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी थी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए बस हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया था और मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपये देने का ऐलान किया था।

हिमाचल के सिरमौर में भारी भूस्खलन, नेशनल हाईवे 707 पर आवागमन ठप

सिरमौर | आरएनएस

हिमाचल के सिरमौर जिले में भीषण भूस्खलन हुआ है। यह भूस्खलन नेशनल हाईवे 707 पर चिल्लन के पास हुआ है। इसके चलते यातायात बाधित हो गया है। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। पत्थर के टुकड़े गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।बता दें कि पहाड़ दरकने के कारण यह हादसा हुआ है। इस कारण हाईवे पर मलबे का ढेर लग गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन मलबा हटाने में जुटा है। राजमार्ग को बहाल होने में काफी समय लग सकता है। अधिकारियों ने लोगों से दूसरा रास्ता तलाशने को कहा है। भूस्खलन के कारण लोगों को इस रास्ते से दूर रहने की सलाह दी गई है।

सिरमौर जिला प्रशासन ने यात्रियों से धैर्य रखने और यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने को कहा है। राजमार्ग से मलबा जल्द से जल्द हटाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

बता दें कि पिछले साल भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा झेलने वाले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार पर मंगलवार को संसद में पेश बजट में राज्य की अनदेखी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि हिमाचल में आपदा के लिए कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमने उम्मीद की थी कि आपदा के बाद पीडीएनए (पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट) मिलेगा, लेकिन राज्य को यह नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, सिक्किम और गोवा के लिए असिस्टेंट शब्द का उल्लेख किया गया है, जबकि हिमाचल प्रदेश के लिए मल्टीलेटरल डेवलपमेंट असिस्टेंट की बात कही गई है। बाढ़ और आपदा के लिए उत्तराखंड, गोवा और सिक्किम के लिए सीधे असिस्टेंट देने की बात कही गई है, लेकिन हिमाचल के साथ ऐसा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के लिए राज्य सरकार ने नौ हजार करोड़ रुपये की सहायता का अनुरोध केंद्र सरकार को भेजा है जो हमें जरूर मिलना चाहिए। इसके अलावा अलग से भी प्रदेश के लिए बजट आवंटित करना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यह बहुत दुख की बात है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नीट यूजी 2024 का रिवाइज्ड रिजल्ट घोषित

नई दिल्ली | आरएनएस

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी परीक्षा का रीवाइज्ड रिजल्ट घोषित कर दिया है। जिन उम्मीदवारों ने 5 मई को नीट यूजी परीक्षा 2024 में भाग लिया है, वे अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। नीट यूजी 2024 रिजल्ट को चेक करने के लिए उम्मीदवारों को लॉगिन क्रेडेंशियल यानी एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड का इस्तेमाल करना होगा। नीट यूजी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को 50 प्रतिशत अंकों की जरूरत होती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एनटीए ने नीट यूजी का रीवाइज्ड रिजल्ट जारी किया है। नीट यूजी 2024 रीवाइज्ड रिजल्ट में टॉपरों के नाम बदल गए हैं।

जानकारी के अनुसार अभी मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है। वहीं टापर्स लिस्ट थोड़ी देर में जारी की जा सकती है। बता दें कि 23 जुलाई को मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि नीट यूजी री-टेस्ट का आयोजन नहीं किया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने एनटीए को आदेश दिया था कि वह फिर से नए सिरे से रिजल्ट घोषित करें। नीट यूजी मामले में सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि नीट का रिवाइज्ड रिजल्ट दो दिनों के अंदर घोषित कर दिया जाएगा, जिसके बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आज, 25 जुलाई को संशोधित नतीजे जारी कर दिए गए।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में केजरीवाल को फिर झटका

❐ 8 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली | आरएनएस

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई की ओर से दायर मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आज उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया था।बता दें कि मुख्यमंत्री वर्तमान में ईडी और सीबीआई दोनों ही मामलों में जेल में बंद हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के कथित आरोप में ईडी ने हिरासत में लिया था, जबकि सीबीआई ने 26 जून को भ्रष्टाचार मामले में उनका पर शिकंजा कसा था। दोनों ही जांच एजेंसियों द्वारा उठाया गया यह कदम केजरीवाल के लिए दोहरे झटके के समान है। ध्यान दें, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है, जबकि सीबीआई का मामला अभी दिल्ली हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

उधर, केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और के कविता को भी आज अदालत में पेश किया गया। सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई है, जबकि केजरीवाल को अब आठ अगस्त तक सलाखों के पीछे रहना होगा। केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और के कविता के ऊपर भी शराब घोटाला मामले में गाज गिरी है। सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के कविता शराब घोटाला मामले में अभी तिहाड़ जल में बंद है। तीनों के खिलाफ मामला कोर्ट में विचाराधीन है। तीनों को लगातार अदालत से निराशा ही हाथ लग रही है।

इससे पहले, केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई के लिए बढ़ाई गई थी। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज उन्हें अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। केजरीवाल 21 मार्च से दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। अब तक वो कई दफा राहत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनके लिए राहत की कोई भी संभावना जन्म लेती हुई नजर नहीं आ रही है।

बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले की जांच सीबीआई और ईडी दोनों ही जांच एजेंसियां कर रही हैं। ईडी जहां मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से दिल्ली शराब घोटाले की जांच कर रही है, तो वहीं सीबीआई भ्रष्टाचार के एंगल से जांच कर रही है। उधर, आम आदमी पार्टी लगातार अपने नेताओं का बचाव करने में लगी हुई है।

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल के बदले गए नाम

नई दिल्ली | आरएनएस

राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल', 'अशोक हॉल' का नाम बदल दिया गया है। अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप किया गया है। वहीं अब राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल को गणतंत्र मंडप के नाम से जाना जाएगा। आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दो वर्ष पूरे हुए हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति भवन के हॉल के नाम बदल दिए गए हैं। नतीजतन अब राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल', 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमश: 'गणतंत्र मंडप', और 'अशोक मंडप' कर दिया गया। राष्ट्रपति भवन हॉल के नाम बदले जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा कि अशोक अच्छा नाम है।

अशोक हॉल की खासियत- अशोक हॉल जिसे अब अशोक मंडप के नाम से जाना जाएगा। राष्ट्रपति भवन की ऑफिशियली बेवसाइट के मुताबिक उसकी रोचक बात यह है कि कलात्मक रूप से निर्मित विशाल यह स्थान अब महत्त्वपूर्ण समारोहिक आयोजनों, विदेशों के मिशनों के प्रमुखों के पहचान-पत्र प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग किया जाता है जिसे पहले स्टेट बॉल रूम के लिए उपयोग में लाया जाता था। इस कमरे की छत और फर्श दोनों का ही अपना आकर्षण है जबकि फर्श पूर्ण रूप से लकड़ी का बना हुआ है और इसकी सतह के नीचे स्प्रिंग लगे हुए हैं, अशोक हॉल की छतें तैल पेंटिंगों से सुसज्जित हैं।

छत के केंद्र में एक चमड़े की पेंटिंग है जिसमें पारसी सात कज़ार शासकों में से दूसरा शासक फतह अली शाह का अश्वारोही चित्र दिखाया गया है जो कि अपने 22 पुत्रों की मौजूदगी में एक बाघ का शिकार कर रहा है। 5।20 मीटर लंबी और 3।56 मीटर चौड़ी यह पेंटिंग फतह शाह ने स्वयं इंग्लैंड के जार्ज चतुर्थ को भेंट स्वरूप प्रदान की थी। लॉर्ड इरविन के कार्यकाल में भेंट की गई कलाकृति को लंदन के भारत ऑफिस लाइब्रेरी से मंगाया गया था। हॉल की दीवारें शाही जुलूस का प्रदर्शन करती हैं जबकि छतों को सीधे पेंट किया गया था, दीवारों को विशाल लटके हुए कैनवस से पूरा किया गया था।

इसमें बेल्जियम के कांच के झूमर लगे हैं। ऑर्केस्ट्रा के लिए स्थान के रूप में स्टेट बॉल रूम में एक मचान भी डिजायन किया गया था, जिसे खास समारोहों के दौरान राष्ट्रगान बजाने के लिए प्रयोग किया जाता है। दूसरी ओर, तीन गलियारे वातायन का एक साधन है जो हॉल में ताजी हवा देते हैं। जबकि अशोक हॉल के फ्रेंच विंडो से मुगल गॉर्डन का शानदार दृश्य दिखता है। दीवारें और स्तंभ पीले ग्रे मार्बल से बनाए गए हैं, फर्श और छत पर किए गए बेहतर कार्य इसका विरोधाभास है। इस जुएल बॉक्स के अन्य प्रमुख बिंदु हैं, पारसी कवि निजामी और एक फारसी महिला की पेंटिंग। ये अशोक हॉल के क्रमश: दक्षिणी और उत्तरी मेहराब के पीछे रखे गए हैं।

दरबार हॉल में क्या खास- राष्ट्रपति भवन का सर्वाधिक भव्य कक्ष दरबार हॉल ही है, जिसका नाम अब गणतंत्र मंडप कर दिया गया है। दरबार हॉल को पहले थ्रोन रूम के नाम से जाना जाता था और जहां पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की प्रथम सरकार ने 15 अगस्त, 1947 को शपथ ली थी। साल 1948 में सी। राजगोपालाचारी ने भी भारत के गवर्नर जनरल के रूप में दरबार हॉल में शपथ ली थी। साल 1977 में राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद के निधन के गंभीर अवसर पर दरबार हॉल को भारत के पांचवे राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देने के लिए इस्तेमाल किया गया था। इस जगह पर राष्ट्र के माननीय राष्ट्रपति द्वारा असैन्य और सैन्य सम्मान दिए जाते हैं और नई सरकार के शपथ समारोह दरबार हॉल में ही आयोजित किए जाते हैं।

अधिकारों का दुरुपयोग कर हमारी जमीन को दूषित कर रहे खालिस्तानी,' कनाडाई सांसद ने देश में हमलों को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली | आरएनएस

कनाडा में एडमोंटन के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में कुछ दिन पहले ही तोड़-फोड़ की गई। बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे गए थे। बताया जा रहा है कि इस हमले के पीछे खालिस्तानी समर्थकों का हाथ है। भारतीय मूल के प्रमुख कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने इन हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की है, उन्होंने कहा, खालिस्तान समर्थक कनाडा में स्वतंत्रता के अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। पीएम जस्टिन ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने कहा, खालिस्तानी चरमपंथियों हमारे कनाडाई चार्टर ऑफ राइट्स की तरफ से मिले अधिकारों का दुरुपयोग करके हमारी भूमि को प्रदूषित कर रहे हैं।

'साथ ही सांसद आर्य ने आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के उस वीडियो का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा है कि आर्य और उनके हिंदू-कनाडाई दोस्त भारत वापस चले जाएं। सांसद चंद्र आर्य ने पन्नू को जवाब देते हुए कहा, हमने (हिंदुओं) कनाडा के सामाजिक-आर्थिक विकास में बहुत सकारात्मक और उत्पादक योगदान दिया है। संसद ने आगे कहा, हिंदुओं ने अपने इतिहास के साथ कनाडा के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है। हमारे अद्भुत देश कनाडा में दुनिया के सभी हिस्सों से हिंदू आए हैं। दक्षिण एशिया के हर देश, अफ्रीका और कैरेबियन के कई देशों और दुनिया के कई अन्य हिस्सों से, हम यहां आए हैं और कनाडा हमारी भूमि है।

फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का मुद्दा, इस बार समर्थन में डाली गई याचिका

नई दिल्ली | आरएनएस

यूपी में कांवड यात्रा के दौरान दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने के योगी सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस बीच अब एक बार फिर ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। हालांकि, अब कोर्ट में इसके समर्थन में याचिका डाली गई है। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के साथ उत्तराखंड और मध्यप्रदेश सरकार को भी ऐसे ही आदेश पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने सभी आदेशों पर अंतरिम रोक भी लगा दी थी।

दरअसल, मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी निर्देश का समर्थन करते हुए एक याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मामले को जबरन साम्प्रदायिक रंग देने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस मामले में पक्षकार भी बनाया जाए। याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव ने कहा कि ये आदेश शिवभक्तों की सहूलियत, आस्था और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इसे बेवजह साम्प्रदायिक रंग दिया गया है। बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कांवड यात्रा के दौरान दुकान मालिकों को दुकानों के बाहर अपने नाम प्रदर्शित करने के लिए कहा था।

यूपी सरकार ने दिया था ये आदेश

उल्लेखनीय है कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने तीन राज्य सरकारों के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी थी कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को ऐसी दुकानों के बाहर मालिकों के नाम प्रदर्शित करने चाहिए।

कथित तौर पर यह निर्देश उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई जिलों में लागू किया गया था और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए थे।

26 दिन में 4.25 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किये बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू | आरएनएस

29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। पिछले 26 दिनों में अमरनाथ यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 4.25 लाख को पार कर गई है। 3,089 श्रद्धालुओं का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। बीते साल पूरी अवधि के दौरान केवल 3.50 लाख यात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की थी। इस साल केवल 26 दिनों में 4.25 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं।

गुरुवार को 3,089 यात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि दोनों सुरक्षा काफिले सुबह 3:25 बजे घाटी के लिए रवाना हुए। पहला सुरक्षा काफिला 43 वाहनों में 1 हजार 286 तीर्थयात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 63 वाहनों में 1 हजार 803 तीर्थयात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं।

इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।